Hindi Murli Quiz 02-06-15

.

Q.1) Match the following

	Choice	Match
A	यह दु:ख की दुनिया अब बदलनी है।	सतयुग है सुख की दुनिया, बुद्धि में सारा ज्ञान है।
B	अब देह के सम्बन्ध तोड़ एक से जोड़ना है।	गाते भी हैं मेरा तो एक दूसरा न कोई।
C	तुम हो सबसे जास्ती पुराने भक्त।	गाया भी जाता है भगवान भक्ति का फल देने लिए आते हैं।
D	तुमने सर्विस की है तब	तुम्हारा गायन है, भारत जो वाइसलेस था वह फिर विशश बन जाता है।
E	तुम्हारी राजाई है 21 पीढ़ी अर्थात्	फुल एज पास करते हो।
F	कोई कहेंगे हम बाबा से मिलने चाहते हैं	अब जानते कुछ भी नहीं, बैठकर उल्टे-सुल्टे प्रश्न करेंगे।

Q.2) आज के स्लोगन अनुसार तन्दरुस्ती का आधार क्या है ?

A. दृढ़ संकल्प की शक्ति |
B. ज्वालामुखी योग |
C. सेवा से जो दुआयें मिलती हैं |
D. खजानों का प्रयोग अपने नहीं, विश्व कलयाण के लिए प्रयोग करना|

Q.3) इस बात का कैसे पता चल सकता है कि हमारा योग यथार्थ रीति है ?
(सभी उत्तर कुछ न कुछ सही हो सकते हैं परन्तु सबसे सटीक एक ही उत्तर का चयन करें)

A. सदा ख़ुशी का पारा चड़ा रहेगा |
B. धारणा ज़रूर होगी|
C. योगबल से सभी कर्मेन्द्रियाँ शीतल हो जायेंगी|
D. सेवा में सफलता प्राप्त होने के आधार पर |

Q.4) इनमें से सही वाक्यों का चयन करें -

A. भक्ति कम की होगी तो बुद्धि में जास्ती बैठेगा।
B. बच्चों को देही-अभिमानी बनाने लिए ही मेहनत करनी पड़ती है।
C. इस ड्रामा में ही हमारे 84 जन्मों का पार्ट भरा हुआ है। यह पक्का करना है।
D. इस मृत्युलोक में अब बिल्कुल रहना नहीं है। यह हमारी पढ़ाई है ही भविष्य 21 जन्म लिए।
E. शास्त्रों में यह कल्प वृक्ष का वृतान्त नहीं है।

Explanation: मुझ आत्मा में ही 84 जन्मों का पार्ट भरा हुआ है। यह पक्का करना है।

Q.5) Match the following

	Choice	Match
A	जो बच्चे प्रवृत्ति में रहते न्यारे और प्यारे बनने का राज जानते हैं	वह सदा स्वयं भी स्वयं से राजी रहते हैं, प्रवृत्ति को भी राजी रखते हैं।
B	साथ-साथ सच्ची दिल होने के कारण	साहेब भी सदैव उन पर राजी रहता है।
C	ऐसे राजी रहने वाले राजयुक्त बच्चों को अपने प्रति व अन्य किसी के प्रति	किसी को काजी बनाने की जरूरत नहीं रहती क्योंकि वह अपना फैंसला अपने आप कर लेते हैं	
D	गीता में भी है भगवानुवाच	काम महाशत्रु है। पढ़ते भी हैं परन्तु विकार को जीतते थोड़ेही हैं।
E	बाबा बार-बार कहते हैं पहले-पहले	अल्फ की बात याद करो, श्रीमत पर चलने से ही तुम श्रेष्ठ बनेंगे।
F	कल्प पहले भी बाप ने कहा था मामेकम् याद करो।	यह योग अग्नि है, जिससे पाप दग्ध होते हैं।

Q.6) इनमें से गलत वाक्यों का चयन करें -

A. शिवबाबा ही अमरनाथ है।
B. भारतवासी ही हैं जो अपने पूज्य को बिल्कुल जानते नहीं।
C. शिव की पूजा करते, जल डालते, शिवाए नम: करते, क्यों पूजते हैं, कुछ पता नहीं। बस यही पता है कि वे निराकारी हैं |
D. तुम्हारे पर राहु की दशा अविनाशी बैठती है तब तुम अमरपुरी के मालिक बन जाते हो।
E. पतित- पावन भी शिव को ही कहते हैं। वही ऊंच ते ऊंच है ना। उनकी सबसे जास्ती सेवा करते हैं। वह तुम बच्चों की ही सद्गति करती हैं। बाकी सब तो दुर्गति को प्राप्त होते हैं |

Explanation: पतित- पावन भी शिव को ही कहते हैं। वही ऊंच ते ऊंच है ना। उनकी सबसे जास्ती सेवा करते हैं। सर्व का सद्गति दाता है। तुम्हारे पर बृहस्पति की दशा अविनाशी बैठती है तब तुम अमरपुरी के मालिक बन जाते हो। शिवबाबा की भक्ति करते भी किसी को इतना भी नहीं पता कि वे निराकारी हैं|

Q.7) ख़ुशी का खजाना जमा करने के लिए बाबा ने आज क्या युक्ति बतलाई है ?

- A. सवेरे-सवेरे उठकर दुनिया के हालातों को देखो,अखबार पड़ो|
- B. सवेरे-सवेरे नेष्ठा मैं बैठ जाओ, सिर्फ पहला-पहला पाठ याद करो तो खुशी का खजाना जमा होता जायेगा।
- C. सवेरे-सवेरे उठकर घूमो फिरो, सिर्फ पहला-पहला पाठ याद करो तो खुशी का खजाना जमा होता जायेगा।
- D. सेवा करो , बाबा के सहयोगी बनो और दुआएँ प्राप्त करो |

Q.8) तुम्हारा पहला-पहला शब्क (पाठ) है - _____

- A. मैं आत्मा हूँ, शरीर नहीं |
- B. यह ड्रामा पूरे पांच हज़ार वर्ष का है |
- C. गीता का भगवान शिवबाबा है |
- D. मनुष्य की आत्मा हमेशा मनुष्य तन ही धारण करती है |